पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री मथुरा–वृन्दावन में 'पंचायत आज तक' कार्यक्रम में सम्मिलित हुए

आज उ0प्र0 अपनी समृद्ध विरासत, धार्मिक एवं सांस्कृतिक परम्परा तथा आधुनिक विकास के समन्वय के साथ देश की अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इंजन के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा : मुख्यमंत्री

मथुरा–वृन्दावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन और बल्देव सहित सम्पूर्ण ब्रज क्षेत्र धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन की अपार सम्भावनाओं से परिपूर्ण

धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि यह स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई शक्ति प्रदान करता

प्रदेश की युवा आबादी को स्किलिंग, स्किलिंग को रोजगार और रोजगार को स्टार्टअप एवं उद्यमिता के अवसरों से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता

मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण की पोशाक को ओ0डी0ओ0पी0 में शामिल किया गया, मथुरा की ठाकुर जी की पोशाक को देश–दुनिया में नई पहचान मिल रही

ओ0डी0ओ0पी0 के बाद सरकार ने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुजीन' की दिशा में कार्य प्रारम्भ किया, मथुरा के प्रसिद्ध पेड़े को जनपद की विशिष्ट पहचान के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा

ओ0डी0ओ0पी0 के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराया जा रहा

प्रदेश में बेहतर कानून–व्यवस्था, स्पष्ट औद्योगिक नीतियों और आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के कारण निवेशकों का विश्वास बढ़ा

प्रदेश में युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ–साथ स्किलिंग एवं स्टार्टअप ईकोसिस्टम से जोड़ने का कार्य किया जा रहा

सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रदेश में स्कूल ड्रॉपआउट दर को 03 प्रतिशत से नीचे लाने में सफलता मिली

प्रदेश में आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस, 3डी प्रिंटिंग, रोबोटिक्स, ड्रोन टेक्नोलॉजी, स्पेस टेक्नोलॉजी जैसी उभरती तकनीकों से युवाओं और विद्यार्थियों को जोड़ने के प्रयास किए जा रहे

एम0एस0एम0ई0 तथा ओ0डी0ओ0पी0 जैसी योजनाओं ने रोजगार और स्वरोजगार की सम्भावनाओं को व्यापक बनाया

जी0आई0 टैगिंग से स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में एक विशिष्ट पहचान मिलती, स्थानीय कारीगरों, हस्तशिल्पियों और उद्यमियों की आय एवं रोजगार की सम्भावनाएं बढ़ती

प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनेक अभिनव पहल की गई

वर्तमान में प्रदेश में पांच महिला मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनियां कार्य कर रहीं, जिनसे लगभग 04 लाख महिलाएं जुड़ीं

लखनऊ 03 सितम्बर, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विगत 09 वर्षों में शासन की कार्य संस्कृति में व्यापक परिवर्तन आया है। सरकार ने चुनौतियों को समस्या मानकर उनसे भागने के बजाय उनमें सम्भावनाएं तलाशीं और उन सम्भावनाओं को समाधान में परिवर्तित करते हुए विकास के नए प्रतिमान स्थापित किए। आज उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध विरासत, धार्मिक एवं सांस्कृतिक परम्परा तथा आधुनिक विकास के समन्वय के साथ देश की अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इंजन के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री जी आज मथुरा–वृन्दावन में 'पंचायत आज तक' कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की पावन जन्मभूमि पर आयोजित इस कार्यक्रम का विशेष महत्व है। भगवान श्रीकृष्ण ने इसी पावन धरा पर मानव जीवन के सत्य, धर्म और कर्तव्य के मार्ग का संदेश दिया। आज ब्रजभूमि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उल्लास में डूबी हुई है। इस उत्सवपूर्ण वातावरण में 'पंचायत आज तक' का आयोजन गौरव का विषय है। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के लिए आज तक एवं इण्डिया टुडे समूह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ब्रज की पावन धरती पर देश–दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का अनवरत विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मथुरा–वृन्दावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन और बल्देव सहित सम्पूर्ण ब्रज क्षेत्र धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन की अपार सम्भावनाओं से परिपूर्ण है। वर्ष 2016 में मथुरा के जवाहरबाग में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 29 लोगों की मृत्यु हुई थी। उस समय क्षेत्र में अराजकता और अव्यवस्था का वातावरण था। आज उसी ब्रजभूमि में विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है और देश–दुनिया से करोड़ों श्रद्धालु आ रहे हैं। वर्ष 2025 में अकेले ब्रजभूमि में लगभग 11 करोड़ श्रद्धालु एवं पर्यटक आए, जबकि सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में लगभग 156 करोड़ श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का आगमन हुआ। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि यदि शासन चुनौतियों को अवसर में बदलने का संकल्प ले तो व्यापक परिवर्तन सम्भव है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन केवल आस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई शक्ति प्रदान करता है। श्रद्धालु जब किसी तीर्थस्थल पर आता है तो फूल–माला, पूजा सामग्री, स्थानीय हस्तशिल्प, प्रसाद, वस्त्र और अन्य स्थानीय उत्पाद खरीदता है। वह स्थानीय परिवहन का उपयोग करता है और होटल–रेस्टोरेण्ट में ठहरता है। इससे फूल विक्रेता, कारीगर, हलवाई, टैक्सी एवं ऑटो चालक, होटल–रेस्टोरेण्ट संचालक तथा वहां काम करने वाले युवाओं तक आर्थिक लाभ

पहुंचता है। सरकार का प्रयास है कि तीर्थस्थलों के विकास के साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी बढ़ें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है। बड़ी आबादी का अर्थ बड़ी युवा शक्ति भी है। पूर्ववर्ती सरकारों ने जनसंख्या को चुनौती माना, जबकि वर्तमान सरकार ने इसे डेमोग्राफिक डिविडेण्ड के रूप में लिया है। प्रदेश की युवा आबादी को स्किलिंग, स्किलिंग को रोजगार और रोजगार को स्टार्टअप एवं उद्यमिता के अवसरों से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता रही है। उत्तर प्रदेश के पास देश की सबसे उर्वरा भूमि, विशाल बाजार, समृद्ध इतिहास एवं संस्कृति, धार्मिक पर्यटन की असाधारण सम्भावनाएं और बड़ी युवा आबादी है। इन सभी क्षमताओं को एक साथ जोड़कर प्रदेश को नई ऊंचाई पर ले जाने का प्रयास किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के किसानों को पूर्ववर्ती सरकारों में समस्या के रूप में देखा जाता था, जबकि वर्तमान सरकार ने किसान को अन्नदाता के रूप में सम्मान दिया है। सिंचाई परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया है। किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ा गया। कृषि उत्पादों के लिए बाजार और बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई गई तथा सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचाया गया। उत्तर प्रदेश आज देश के खाद्यान्न उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। प्रदेश के पास देश की लगभग 11 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि है, जबकि देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी लगभग 21 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2007 से 2017 के मध्य प्रदेश में 29 चीनी मिलें बन्द हुई थीं। गन्ना किसानों के लिए भुगतान की बड़ी समस्या थी। वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद गन्ना किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। आज प्रदेश में 122 चीनी मिलें संचालित हैं और विगत 09 वर्षों में कोई चीनी मिल बन्द नहीं हुई है। सरकार द्वारा अब तक लगभग 03 लाख 26 हजार करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य भुगतान डी0बी0टी0 के माध्यम से किसानों के खातों में किया गया है। प्रदेश में गन्ने का मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच चुका है। अधिकांश चीनी मिलों द्वारा चौथे दिन ही गन्ना मूल्य का भुगतान किया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि किसानों को उनके उत्पाद का समय से भुगतान मिले और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 में प्रदेश के एम0एस0एम0ई0 एवं हस्तशिल्प क्षेत्र के सामने बाजार, तकनीक, कनेक्टिविटी, बिजली, सरकारी प्रक्रियाओं और अन्य सुविधाओं की अनेक चुनौतियां थीं। बड़ी संख्या में कारीगर एवं उद्यमी प्रदेश से पलायन कर चुके थे। ऐसे समय सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओ0डी0ओ0पी0) योजना शुरू की। इसके माध्यम से प्रत्येक जनपद के विशिष्ट उत्पाद को पहचान, बाजार और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराया गया।

फिरोजाबाद का ग्लास, मुरादाबाद का ब्रास, अलीगढ़ का हार्डवेयर, लखनऊ की चिकनकारी, मेरठ के स्पोर्ट्स उत्पाद, सहारनपुर की लकड़ी की कारीगरी, भदोही का कालीन, वाराणसी की रेशमी साड़ी, गोरखपुर का टेराकोटा और सिद्धार्थनगर का काला नमक चावल जैसे उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने का कार्य किया गया। मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण की पोशाक को ओ0डी0ओ0पी0 में शामिल किया गया है। आज मथुरा की ठाकुर जी की पोशाक को देश–दुनिया में नई पहचान मिल रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ओ0डी0ओ0पी0 के बाद सरकार ने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुजीन' की दिशा में भी कार्य प्रारम्भ किया है। इसके अन्तर्गत मथुरा के प्रसिद्ध पेड़े को जनपद की विशिष्ट पहचान के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे स्थानीय कारीगरों, महिला स्वयं सहायता समूहों और छोटे उद्यमियों को बाजार उपलब्ध हो रहा है तथा उनकी आय में वृद्धि हो रही है। आज ओ0डी0ओ0पी0 से जुड़े अनेक महिला समूह करोड़ों रुपये का कारोबार कर रहे हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि उचित नीति, बाजार, तकनीक, पैकेजिंग, डिजाइन और कनेक्टिविटी उपलब्ध हो तो स्थानीय कारीगर उद्यमी बन सकते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार ने एम0एस0एम0ई0 इकाइयों को बाजार, तकनीक, पैकेजिंग, डिजाइन, विद्युत एवं कनेक्टिविटी जैसी सुविधाओं से जोड़ा है। इसके परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश के उत्पाद राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक बाजार में अपनी पहचान बना रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025–26 में उत्तर प्रदेश से एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र से जुड़े उत्पादों का निर्यात उल्लेखनीय स्तर तक पहुंचा है। ओ0डी0ओ0पी0 के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को भारत का हृदय स्थल कहा जाता है। प्रदेश में अयोध्या, काशी, मथुरा–वृन्दावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन और बल्देव जैसे प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र हैं। इसके साथ ही प्रदेश में बौद्ध एवं जैन परम्परा से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल भी हैं। कपिलवस्तु, सारनाथ, श्रावस्ती, कुशीनगर, कौशाम्बी और संकिसा जैसे महत्वपूर्ण स्थलों के माध्यम से उत्तर प्रदेश की वैश्विक धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान मजबूत होती है। उत्तर प्रदेश स्वतंत्रता आंदोलन की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। बलिया के मंगल पाण्डे से लेकर मेरठ, कानपुर, झांसी, गोरखपुर के चौरी–चौरा और लखनऊ के काकोरी ट्रेन एक्शन तक प्रदेश की धरती ने देश के स्वतंत्रता आन्दोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की कभी 'बीमारू' राज्य की छवि बनाई गई थी, लेकिन वास्तव में प्रदेश में सम्भावनाओं की कोई कमी नहीं थी। यहां उर्वरा भूमि, जल संसाधन, युवा शक्ति, बड़ा बाजार, समृद्ध संस्कृति और पर्यटन की अपार सम्भावनाएं पहले भी थीं और आज भी हैं। समस्या उत्तर प्रदेश की क्षमता में नहीं, बल्कि उस समय की शासन व्यवस्था और मानसिकता में थी। आज प्रदेश ने उस मानसिकता से बाहर निकलकर विकास की नई दिशा पकड़ी है। उत्तर प्रदेश अब बीमारू नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के ग्रोथ

इंजन के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरकार ने प्रदेश को आर्थिक विकास के क्षेत्र में निचले तीन राज्यों की श्रेणी से शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं की दिशा में आगे बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि निवेश की पहली शर्त सुरक्षा है। इसके साथ निवेशक के लिए स्पष्ट नीति, बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर और सिंगल विण्डो की सुविधा आवश्यक होती है। वर्तमान सरकार ने निवेश प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने का कार्य किया है। निवेशक की फाइल को अनावश्यक रूप से अनेक टेबलों पर घूमने की स्थिति से बाहर निकालकर सिंगल विण्डो सिस्टम विकसित किया गया है। प्रदेश में बेहतर कानून–व्यवस्था, स्पष्ट औद्योगिक नीतियों और आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के कारण निवेशकों का विश्वास बढ़ा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले सरकारी भर्तियों में भ्रष्टाचार की शिकायतें आती थीं। विज्ञापन जारी होने से लेकर परीक्षा, परिणाम और नियुक्ति तक युवाओं को अनेक प्रकार की चिंताओं से गुजरना पड़ता था। वर्तमान सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया है और युवाओं को योग्यता के आधार पर अवसर देने का कार्य किया है। प्रदेश में युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ–साथ उन्हें स्किलिंग एवं स्टार्टअप ईकोसिस्टम से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 में प्रदेश की बेसिक शिक्षा व्यवस्था के सामने बड़ी चुनौतियां थीं। अनेक विद्यालयों में भवन, शिक्षक, फर्नीचर, पेयजल, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं का अभाव था। बालक–बालिकाओं के लिए अलग–अलग शौचालय न होने का असर विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा पर पड़ता था। प्रदेश में उस समय स्कूली शिक्षा में ड्रॉपआउट दर लगभग 19–20 प्रतिशत थी।

वर्ष 2017 में ऑपरेशन कायाकल्प शुरू किया गया। इसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और पुरातन छात्रों से विद्यालयों को गोद लेकर उनके विकास में सहयोग करने का आह्वान किया गया। प्रदेश के लगभग 1.46 लाख बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में से 1.36 लाख विद्यालयों में ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से आधारभूत सुविधाओं को बेहतर किया गया। इन विद्यालयों में बेहतर क्लासरूम, बालक–बालिकाओं के लिए अलग–अलग शौचालय, पेयजल सुविधा, डिजिटल लैब, स्मार्ट क्लास, फर्नीचर तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। सरकार लगभग 1.60 करोड़ बच्चों को यूनिफॉर्म, स्कूल बैग, किताबें, जूते, मोजे और स्वेटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

सरकार ने ड्रॉपआउट के कारणों का विश्लेषण कराया। इसमें सामने आया कि स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं की कमी, विशेषकर बालिकाओं के लिए अलग शौचालय और पेयजल की सुविधा का अभाव भी बच्चों के स्कूल छोड़ने का प्रमुख कारण था। सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रदेश में स्कूल ड्रॉपआउट दर को लगभग 19–20 प्रतिशत से घटाकर 3 प्रतिशत से नीचे लाने में सफलता मिली है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पहले कक्षा 6 से 8 तक संचालित होते थे। सरकार ने बालिकाओं की शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए इन्हें कक्षा 12 तक विस्तारित करने का निर्णय लिया। प्रदेश के सभी 825 विकास खण्डों में कस्तूरबा गांधी विद्यालय उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। गरीब परिवारों की बेटियों को आठवीं के बाद शिक्षा से वंचित न होना पड़े, इसके लिए इन विद्यालयों को उच्चीकृत किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक स्वरूप देने के लिए पी0एम0 श्री विद्यालयों के साथ–साथ सी0एम0 कम्पोजिट विद्यालयों की अवधारणा को आगे बढ़ाया जा रहा है। सी0एम0 कम्पोजिट विद्यालयों में एकीकृत परिसर के भीतर बच्चों को बेहतर शैक्षिक एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। इन विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक, आधुनिक सुविधाएं और विभिन्न विषयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था की जाएगी। श्रमिकों और गरीब परिवारों के बच्चे भी आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर वाले विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें, यही सरकार का उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज की शिक्षा केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित नहीं रह सकती। विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों से जोड़ना आवश्यक है। प्रदेश में आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस, 3डी प्रिंटिंग, रोबोटिक्स, ड्रोन टेक्नोलॉजी, स्पेस टेक्नोलॉजी जैसी उभरती तकनीकों से युवाओं और विद्यार्थियों को जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। अटल टिंकरिंग लैब सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से माध्यमिक शिक्षा के विद्यार्थियों में नवाचार और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दिया जा रहा है। आज दुनिया शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर बनाने, स्किलिंग को नए आयाम देने तथा ए0आई0, डीप टेक, मेड टेक, रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग, ड्रोन और स्पेस टेक्नोलॉजी जैसी उभरती तकनीकों पर चर्चा कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज का उत्तर प्रदेश कानून–व्यवस्था, निवेश, कृषि, एम0एस0एम0ई0, शिक्षा, पर्यटन, इन्फ्रास्ट्रक्चर और रोजगार के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है। यह वही उत्तर प्रदेश है, जिसके बारे में कभी निवेश के लिए अनुकूल न होने की बात कही जाती थी। आज वही प्रदेश निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्यों में शामिल हो रहा है। सरकार ने विरासत और विकास को साथ लेकर चलने का कार्य किया है। अयोध्या, काशी और ब्रज की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के साथ–साथ एक्सप्रेस–वे, एयरपोर्ट, मेट्रो, रोप–वे, औद्योगिक गलियारे और आधुनिक शैक्षिक संस्थानों का विस्तार किया जा रहा है। नया उत्तर प्रदेश अपनी विरासत पर गौरव करता है, आधुनिक विकास को अपनाता है और युवा शक्ति को नए अवसर प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब रुकने वाला नहीं है। प्रदेश अपनी सम्भावनाओं को अवसरों में बदलते हुए विकसित भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए पूरी सामर्थ्य के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रदेश अब अराजकता, भ्रष्टाचार, खराब कानून–व्यवस्था और नीति–पक्षाघात के दौर से पूरी तरह बाहर निकल चुका है। आज प्रदेश

कानून के राज, सुशासन, बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर, निवेश, रोजगार, स्किलिंग और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय में प्रदेश की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई। भारत की विरासत को महत्व नहीं दिया गया। आज प्रदेश उस मानसिकता से बाहर निकल चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए 36 सेक्टोरल पॉलिसीज लागू की गई हैं। इनमें किसी प्रकार के 'पिक एण्ड चूज' की व्यवस्था नहीं है। जो भी निवेशक निर्धारित नीति और नियमों के दायरे में निवेश करता है, उसे पात्रता के अनुसार सरकारी इन्सेंटिव और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। निवेश से सम्बन्धित प्रक्रियाओं को ऑनलाइन और डी0बी0टी0 के माध्यम से पारदर्शी बनाया गया है। इसका उद्देश्य प्रदेश में ऐसा वातावरण तैयार करना है, जिसमें निवेशक को किसी प्रकार के भेदभाव या अनावश्यक हस्तक्षेप का सामना न करना पड़े। लम्बे समय से लम्बित परियोजनाओं को नीति के अनुरूप समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाया गया। इसी का परिणाम है कि ब्रज क्षेत्र में आज आधुनिक आतिथ्य सुविधाओं का विस्तार हो रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष है। प्रदेश सरकार ने अब तक लगभग 9 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी उपलब्ध कराई है। आरक्षण की नीति का पालन करते हुए बिना भेदभाव के योग्य युवाओं को अवसर दिए गए हैं। पेपर लीक जैसी घटनाओं पर सरकार ने कठोर रुख अपनाया है। नकल माफिया और पेपर लीक करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जा रही है, अवैध रूप से अर्जित सम्पत्ति के विरुद्ध भी कार्रवाई की जा रही है। कानून के कठोर प्राविधानों के कारण आज प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं की विश्वसनीयता बढ़ी है। युवाओं में यह विश्वास पैदा हुआ है कि उन्हें अपनी योग्यता के आधार पर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 09 वर्षों में प्रदेश में निवेश के बेहतर वातावरण के परिणामस्वरूप लगभग 65 लाख युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं। एम0एस0एम0ई0 तथा ओ0डी0ओ0पी0 जैसी योजनाओं ने रोजगार और स्वरोजगार की सम्भावनाओं को व्यापक बनाया है। एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र के माध्यम से प्रदेश में 3.25 करोड़ से अधिक लोगों को उद्योग एवं रोजगार की गतिविधियों से जोड़ने में सफलता मिली है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के 79 उत्पादों को जी0आई0 टैगिंग प्राप्त हो चुकी है। जी0आई0 टैगिंग से स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में एक विशिष्ट पहचान मिलती है। स्थानीय कारीगरों, हस्तशिल्पियों और उद्यमियों की आय एवं रोजगार की सम्भावनाएं बढ़ती हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश की पहचान अब गड्ढायुक्त सड़कों, अन्धकार और अव्यवस्था से नहीं, बल्कि एक्सप्रेस–वे, मेट्रो, एयर कनेक्टिविटी, रेलवे और आधुनिक परिवहन

सुविधाओं से होती है। प्रदेश में देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेस–वे नेटवर्क विकसित हुआ है। प्रदेश के कई शहरों में मेट्रो की सुविधा उपलब्ध है। भारत की पहली रैपिड रेल सेवा भी उत्तर प्रदेश से जुड़ी है। वाराणसी से हल्दिया के मध्य इनलैण्ड वॉटर–वे की शुरुआत हुई है। एयर कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भी प्रदेश तेजी से आगे बढ़ा है। प्रदेश में घरेलू तथा अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डों का व्यापक नेटवर्क विकसित हुआ है। आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर केवल आवागमन को सुगम नहीं बनाता, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को गति देकर रोजगार और निवेश के नए अवसर भी पैदा करता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ब्रज क्षेत्र में पर्यटन एवं तीर्थ विकास के लिए अनेक परियोजनाओं को गति दी गई है। बरसाना में राधारानी मन्दिर के लिए रोप–वे जैसी सुविधाएं श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम बनाने के साथ–साथ स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देंगी। लम्बे समय से लम्बित परियोजनाओं को नीति के अनुरूप समयबद्ध ढंग से पूरा किया जा रहा है। ब्रज क्षेत्र में आधुनिक होटल और अन्य पर्यटन सुविधाओं का विस्तार इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि किसी भी प्रदेश में निवेश, रोजगार और विकास के लिए सबसे पहली आवश्यकता कानून का राज और सुरक्षित वातावरण है। प्रदेश में जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। महिला सुरक्षा को सरकार ने सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। बेटियों और महिलाओं के साथ अपराध करने वालों के विरुद्ध किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। कैराना सहित प्रदेश के उन क्षेत्रों में, जहां कभी भय और पलायन की चर्चा होती थी, आज परिस्थितियां बदली हैं। अपराधियों को यह स्पष्ट संदेश है कि प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व कांवड़ यात्रा और जन्माष्टमी जैसे धार्मिक आयोजनों पर अनेक प्रकार के प्रतिबन्ध लगाए जाते थे। कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे और धार्मिक वाद्य यंत्रों को लेकर प्रतिबन्ध लगाए जाते थे। सरकार ने स्पष्ट किया कि कानून के दायरे में रहकर धार्मिक आयोजन करना नागरिकों का अधिकार है और ऐसे आयोजनों की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व है। कांवड़ यात्रा में करोड़ों श्रद्धालुओं की भागीदारी के बावजूद प्रदेश में व्यापक स्तर पर शान्ति और व्यवस्था बनी रही। यह प्रदेश की बेहतर कानून–व्यवस्था और प्रशासनिक क्षमता का उदाहरण है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन थानों, जेलों और महत्वपूर्ण स्थलों पर भी किया गया, क्योंकि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म कारागार में हुआ था और मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि आज देश–दुनिया के करोड़ों लोगों की आस्था का केन्द्र है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनेक अभिनव पहल की गई हैं। वर्तमान में प्रदेश में पांच महिला मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनियां कार्य कर रही हैं, जिनसे लगभग 4 लाख महिलाएं जुड़ी हैं। उन्होंने झांसी की बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी का उदाहरण देते हुए कहा कि बुन्देलखण्ड की महिलाओं ने विपरीत

परिस्थितियों में सफलता की नई कहानी लिखी है। इस संस्था से हजारों महिलाएं जुड़ी हैं और इसका वार्षिक कारोबार भी उल्लेखनीय स्तर तक पहुंच चुका है। महिलाओं को अवसर और सही मार्गदर्शन मिले तो वे परिवार के साथ–साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नया उत्तर प्रदेश अपनी विरासत पर गर्व करता है और आधुनिक विकास को भी उसी मजबूती के साथ आगे बढ़ाता है। अयोध्या, काशी और ब्रज जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्रों के विकास के साथ–साथ एक्सप्रेस–वे, एयरपोर्ट, मेट्रो, रोप–वे, उद्योग और रोजगार के अवसरों का विस्तार किया जा रहा है। विरासत और विकास एक–दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन से स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलती है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब कर्फ्यू और दंगों के पुराने दौर से बाहर निकल चुका है। आज प्रदेश में सुरक्षित वातावरण है और लोग बिना भय के अपने त्योहार मना रहे हैं तथा आर्थिक गतिविधियों में भाग ले रहे हैं। प्रदेश की जनता विगत वर्षों में कानून–व्यवस्था, इन्फ्रास्ट्रक्चर, रोजगार, शिक्षा, स्किलिंग और निवेश के क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों को स्वयं देख रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच रहा है। युवा को शिक्षा, स्किलिंग और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। किसानों की आय और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास हो रहा है। गरीब परिवारों को राशन, आयुष्मान भारत जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं तथा बेहतर चिकित्सा एवं शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरकार का लक्ष्य अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज नए आत्मविश्वास के साथ विरासत और विकास की यात्रा पर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश अब पीछे हटने वाला नहीं है और हर चुनौती का मजबूती से सामना करने की क्षमता रखता है।

मुख्यमंत्री जी ने सभी प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

————————

PN-CM-Mathura Visit-Panchayat Aaj Tak Programme-03 September, 2026